**गुजरात में गोदामों की भंडारण क्षमता**

2168. **श्री रामसिंह राठवा** : क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में अस्थाई गोदामों और भंडारों की भंडारण क्षमता को बढ़ाया नहीं गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) अपर्याप्त भंडारण-क्षमता के कारण कितना खाद्यान्न क्षतिग्रस्त हुआ है; और

(घ) प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षतिग्रस्त हुए खाद्यान्नों को सरकार किस तरह काम में लाती है ?

**खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय)** : (क) और (ख) जी, नहीं। भारतीय खाद्य निगम के पास गुजरात में उपलब्ध कवर और प्लिथ (कैप) गोदामों की क्षमता आयातित खाद्यान्नों के स्टाक में वृद्धि होने के कारण 31-3-1992 को उपलब्ध 0.29 लाख मीटरी टन की क्षमता से बढ़कर 31-12-1992 को 1.09 लाख मीटरी टन हो गई है ।

(ग) गुजरात में पिछले तीन वर्षों के दौरान कैप भंण्डारण में क्षतिग्रस्त हुए खाद्यान्नों की मात्रा नीचे दी गई है :—

| वर्ष | मात्रा (मी० टन में) |
|---|---|
| 1990-91 | 24.4 |
| 1991-92 | 57.9 |
| 1992-93 (जनवरी, 1993 तक) | 39.5 |

(घ) क्षतिग्रस्त तथा मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त हुए खाद्यान्नों का ढेर में पाए गए ठोस खाद्यान्नों की प्रतिशतता पर निर्भर करते हुए निम्नानुसार 5 श्रेणियों में श्रेणीकरण किया जाता है और तदनुसार इनका निपटान किया जाता है :—

| ठोस/मामूली क्षतिग्रस्त/ लगे हुए खाद्यान्नों की प्रतिशतता (टोटा और वर्तनों सहित) | श्रेणी जिसके लिए स्टाक उपयुक्त घोषित किया जा सकता है । |
|---|---|
| 70% और उससे अधिक (85% तक) | पशु चारे के लिए |
| 55% से 70% | मुर्गी दाने के लिए |
| 30% से 55% | औद्योगिक इस्तेमाल के लिए |
| 10% से 30% | खाद के लिए |
| 10% से कम | फैंकने के लिए |

श्रेणीकृत ढेरों को राज्य/केन्द्रीय सरकारों और उनके पशुपालन विभागों आदि जैसे संगठनों को पेश किया जाता है और यदि उनसे कोई पेशकश प्राप्त नहीं होती है तो उस दशा में इन ढेरों के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं और उन्हें सीमित टेंडर इन्क्वायरी की प्रणाली के अधीन ऐसे क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों के स्टाक का व्यापार करने वाली पंजीकृत फर्मों को बेच दिया जाता है ।

**Increae in sugar output**

2169. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that sugar output in the country has declined in the recent sugar season;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action Government propose to take to increase the sugar output in the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) The total production of sugar during the

current 1992-93 season (Oct.-Sept.) upto 15.2.1993 was 62.66 lakh tonnes (provisional), as against 66.73 lakh tonnes (provisional) upto the corresponding date last season (i.e. 1991-92) thereby showing a decline of 4.07 lakh tonnes.

(c) The Government have initiated the following measures to improve the level of sugar production in the country:—

(i) Additional production of sugar factories during the period 1st of January, 1993 to 30th April, 1993, over the corresponding period during 1991-92 season, would be entitled to 80 per cent freesale quota, as against the normal 60 per cent.

(ii) The sugar factories which would undertake sugar production during the late crushing period, i.e., 1st of May to 31st July, 1993, would be entitled to higher freesale quota of 72 per cent as against normal 60 per cent.

(iii) The Statutory Minimum Price (SMP) of sugarcane for the current 1992-93 season has been increased to Rs. 31/- per quintal linked to a basic recovery of 8.5 per cent with proportionate premium for every 0.1 per cent increase in recovery above that level. An advance announcement of Statutory Minimum Price of Rs. 32.50 per quintal linked to a basic recovery of 8.5 per cent has been made for 1993-94 season.

(iv) The ratio of levy to freesale sugar has been revised to 40:60 for 1992-93 season, as against 45:55 earlier.

(v) Zone wise ex-factory levy sugar price has been notified with reference to the increased SMP of Rs. 31/- per quintal for 1992-93 season.

(vi) The Incentive Scheme for new sugar factories and expansion projects has been suitably revised.

**Installation of Sugar mills in Arunachal Pradesh**

2170. SHRI NYODEK YONGGAM: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to set up a sugar mill in Arunachal Pradesh under co-operative sector;

(b) if so, the area of its location and details in this regard; and

(c) whether the letter of Intent has since been granted to concerned party?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI): (a) As on 31.1.1993, no proposal for setting up of a new sugar mill in cooperative sector in Arunachal Pradesh has been received.

(b) and (c) Do not arise.

**गुजरात में चीनी का उत्पादन**

2171. **श्री रामसिंह राठवा :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस वर्ष सितम्बर माह तक देश में चीनी के कुल उत्पादन में गुजरात का कितना योगदान था;

(ख) चीनी के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात में चीनी का कितना उत्पादन हुआ था ?

**खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) :** (क) चीनी मौसम 1991–92 (अक्तूबर—सितंबर) के दौरान देश में हुए चीनी के कुल 132.77 लाख टन (अनंतिम) के उत्पादन में से गुजरात की चीनी फैक्ट्रियों ने 7.33 लाख टन चीनी का उत्पादन किया जो देश में हुए कुल चीनी उत्पादन का 5.52 प्रतिशत था।